नाम - डॉ. प्रदीप कुमार राय

विषय - राजनीति-शास्त्र

वर्ग - बी. ए. (प्रतिष्ठा), पार्ट - 01; ~~पेपर - 01~~
पेपर - 01

सत्र - 2019-20

नाम - डॉ. प्रदीप कुमार राय
एसोसियेट प्रोफेसर, राजनीतिशास्त्र विभाग
रोहतास महिला कॉलेज, सासाराम।

दिनांक - 12.05.2020

टॉपिक - आदर्शवाद (Idealism) अभिप्राय और विकास -

अभिप्राय - राज्य के कार्यक्षेत्र के संबंध में प्रतिपादित आदर्शवाद प्रमुख विचारधारा के रूप में है जो नैतिक, आध्यात्मिक तथा दार्शनिक सिद्धांत आदि के नाम से भी जाना जाता है।

आदर्शवाद के अनुसार राज्य एक ऐसी प्राकृतिक तथा सामाजिक संस्था है जो मनुष्य के आंतरिक मनोवृत्ति की अभिव्यक्ति है। आंतरिक मनोवृत्ति होने के कारण राज्य और व्यक्ति में कोई विरोध हो ही नहीं सकता। यह एक ऐसे नैतिक एवं आध्यात्मिक संस्था के रूप में है जिसका कार्य न केवल बाहरी क्रियाकलापों को नियंत्रित करना है अपितु व्यक्ति को नैतिक बनाना है। इस प्रकार आदर्शवाद के अनुसार राज्य के अधिकार और उसके कार्यक्षेत्र काफी व्यापक हैं। इसके अनुसार व्यक्ति की नैतिकता और स्वतंत्रता राज्य प्रदत्त होती है और इसके अंतर्गत ही वह स्वतंत्र और नैतिक जीवन व्यतीत कर सकता है।

Scanned with CamScanner

आदर्शवादी विचारधारा के प्रतिपादकों में काण्ट, हीगल, ग्रीन तथा बोसांके का मुख्य स्थान है।

विकास- इस विचारधारा का प्रारंभिक रूप प्राचीन यूनान की राजनीतिक विचारधारा में मिलता है। प्लेटो को सभी आदर्शवादियों का जनक कहा जाता है। उनके अनुसार व्यक्ति का पूर्ण विकास राज्य में ही संभव है। अरस्तू ने भी बताया कि व्यक्ति का पूर्ण विकास, और जीवन के ध्येय की प्राप्ति राज्य में ही हो सकती है। उसके अनुसार, 'राज्य का उदय मानव जीवन के लिये हुआ और वह सद्जीवन के लिये बना हुआ है।

प्राचीन भारतीय मनीषियों ने भी इसकी आवश्यकता मानी है। उनके अनुसार, राजधर्म के आधार पर मनुष्य का संपूर्ण जीवन संचालित हो सकता है।

19वीं सदी के पुनर्जागरण काल में भी आदर्शवाद ने उत्थान पाते हैं। थॉमस मूर ने भी 'यूटोपिया' में इसका उल्लेख किया है।

आधुनिक युग के प्रथम महत्त्वपूर्ण आदर्शवादी विचारक के रूप में हम जो प्लेटो से प्रभावित थे ने बताया है कि व्यक्ति नैतिक जीवन की प्राप्ति राज्य के अंतर्गत ही रहकर कर सकता है।

Scanned with CamScanner

जर्मनी भी आदर्शवाद के केन्द्र के रूप में स्थापित हुआ है। जर्मनी के आदर्शवादी लेखकों में काण्ट, फिक्टे तथा हीगल प्रसिद्ध हैं।

इंग्लैंड के आदर्शवादियों में T. H. Green जोजफ ब्रेडले, बोसांके आदि प्रमुख हैं। इनका विचार नरम और उदारवादी रहा है।

(शेष)

Scanned with CamScanner